BSES

विदेशी तकनीक से हो रही थी बिजली चोरी, साइकिल पार्ट्स फैक्ट्री पर भारी जुर्माना

बिजली के स्विच, व जूते के पार्ट्स बनाने वाली फैक्ट्रियां भी पकड़ीं

- विश्वास नगर में बनते थे साइकिल के पार्ट्स
- विकासुपरी में चोरी की बिजली से चल रही चल रही थीं कई फैक्ट्रियां

नई दिल्ली, 20 सितंबर, 2007। बिजली चोरी के खिलाफ अपनी मुहिम को और तेज करते हुए अब बीएसईएस ने व्यावसायिक व औद्योगिक इलाकों को खास तौर पर निशाना बनाना शुरू किया है। अपने इसी अभियान के तहत बीएसईएस ने पूर्वी दिल्ली के विश्वास नगर और पचिमी दिल्ली के विकासुपरी इलाके में बिजली चोरी के खिलाफ व्यापक अभियान चलाकर कई फैक्ट्रियों को बिजली की भारी चोरी करते रंगे हाथों पकड़ा।

पूर्वी दिल्लीः विदेशी तकनीक से हो रही थी 50 किलोवॉट बिजली चोरी, 20 लाख का जुर्माना

बिजली चोरी के लिए कुख्यात विश्वास नगर इलाके के **25/5** ए, गली नंबर **17** में बीवाईपीएल एन्फोर्समेंट टीम ने छापा मारा। यहां साइकिल के पार्ट्स बनाए जाते हैं। कंपनी को इस इलाके के ही एक ईमानदार उपभोक्ता ने सूचना दी थी कि यहां बिजली की चोरी हो रही है। कंपनी के अधिकारी इस स्थान का मुआयना करने गए, तो उन्हें सबकुछ ठीकठाक लग रहा था, क्योंकि यहां मीटर लगा हुआ था और आसपास तारों पर कटिया भी नजर नहीं आ रहा था। लेकिन जब टीम ने मीटर की जांच की, तो उसमें भयानक छेड़छाड़ मिली। खास बात यह है कि मीटर को स्लो करने के लिए उसके अंदर जो मशीन लगाई गई है, वह दिल्ली में आम तौर पर प्रचालन में नहीं है। विशेषज्ञों को दिखाने पर पता चला कि ये मशीनें विदेशों में बनती हैं। इस मीटर के अंदर एक हाईटेक मशीन लगी हुई थी, जिसकी वजह से मीटर बिजली की खपत को सही तरीके से रेकॉर्ड नहीं कर पा रहा था और खपत को कई गुणा कम दिखा रहा था। भसीन इंडस्ट्रीज के नाम से चलने वाली इस फैक्ट्री के मालिक पर **20** लाख रूपये का जुर्माना किया जा रहा है।

पश्चिमी दिल्लीः बिजली के स्विच और जूते के पार्ट्स व टोपियां बनाने वाली फक्ट्रियां पकडीं

दिल्ली पुलिस, सीआईएसएफ और बीएसईएस एन्फोर्समेंट टीमों के **50** से अधिक सदस्यों ने मिलकर विकासपुरी के सेवक पार्क इलाके में जबरदस्त छापेमारी करते हुए **10** विभिन्न फैक्ट्रियों व घरों में **64** किलोवॉट की बिजली चोरी पकड़ी। ये सभी बीएसईएस की तारों पर कटिया डालकर बिजली की चोरी कर रहे थे।

इनमें दो माध्यम आकार की फैक्ट्रियां थीं। एक फैक्ट्री में बिजली के स्विच बनाने का काम चल रहा था, तो दूसरी फैक्ट्री में जूते के पार्ट्स व टोपियां बनाई जा रही थीं। हालांकि यहां मीटर लगे हुए थे, लेकिन इसके बावजूद यहां बिजली की सीधी चोरी हो रही थी। बिजली चोरी करते **8** घरेलू उपभोक्ता भी पकड़े गए। इन पर बिजली कानून के तहत जुर्माना किया जा रहा है।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999870/ 9312007822

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999088/ 9350130304